राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–128/2023

परीक्षाओं के माध्यम से बच्चों की मेधा और प्रतिभा की पहचान होनी चाहिए–राज्यपाल

पटना, 01 अप्रैल, 2023 :– महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने सचिवालय परिसर में स्थित अधिवेशन भवन में बिहार लोक सेवा आयोग के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम–सह–पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षाओं का आयोजन युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। परीक्षाओं के माध्यम से उनकी मेधा और प्रतिभा की पहचान होनी चाहिए, न कि सिर्फ स्मरण शक्ति की जाँच।

राज्यपाल ने कहा कि बच्चों की सोच और इच्छा से अवगत होकर उनका उचित मार्गदर्शन करना हमारा दायित्व है। हमें उनमें आत्मविश्वास पैदा करने की जरुरत है। बच्चों के सामने लक्ष्य की स्पष्टता होनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को अलग ढ़ंग से सोचने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि हमारी नई पीढ़ी को नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगारों का सृजन करने वाला बनना चाहिए।

उन्होंने बिहार लोक सेवा आयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि अनेक चुनौतियों के बावजूद इसने अपनी विश्वसनीयता कायम रखी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आयोग आगामी वर्षों में नई सोच के साथ युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए ठोस कार्य करेगा ताकि राष्ट्र निर्माण व इसके विकास में वे अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने बिहार लोक सेवा आयोग के प्रतीक चिन्ह (Logo) का अनावरण किया तथा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं के स्वच्छ एवं कदाचारमुक्त आयोजन में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री अतुल प्रसाद, सदस्य डॉ० अरूण कुमार भगत, इम्तियाज अहमद करीमी तथा प्रो० दीप्ति कुमारी, सचिव रवि भूषण एवं पूर्व अध्यक्षगण व सदस्यगण, कर्नाटक लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य, विभिन्न पदाधिकारीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....